अनुसूचित जातियों के हितग्राहियों हेतु मूल्य संवर्धित दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद विषयांर्तगत पांच दिवसीय उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन।

जबलपुर। आज दिनांक 19 फरवरी 2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) के माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, ना.दे.प. चि.वि.वि., जबलपुर की अभिप्रेरणा एवं मार्गदर्शन, डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता एवं डॉ. अनिल कुमार गौर, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के दिशा निर्देशानुसार **अनुसूचित जातियों के हितग्राहियों हेतु मूल्य संवर्धित दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद विषयांर्तगत पांच दिवसीय उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन** हुआ। कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. सरलीन तोमर, पशु उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा किया गया। जिसमें बताया कि इस कार्यक्रम में पांच

दिवसीय हेतु 20 प्रशिक्षणार्थीयों का चयन कर पंजीयन कराया गया। इस प्रशिक्षण के दौरानः दुग्ध ओर दुग्ध उत्पादों के मूल्यवर्धन का महत्व एवं उपयोगिता, कोआगुलेटेड दूध उत्पादों का उत्पादन, कंसन्टटेड दूध उत्पादों का उत्पादन, खोआ आधारित मिठाई बनाने का प्रशिक्षण, दूध से मलाई का पृथक्करण एवं प्रसंस्करण, फ्लेवर्ड दूध का उत्पादन, मूल्य संवर्धित दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का आय–व्यय, दूध एवं दूध उत्पादों में मिलावट की जांच, औद्योगिक दुग्ध प्रसंस्करण संस्था (साँची) इमलिया भ्रमण, किण्वित दूध उत्पादों का उत्पादन एवं प्रशिक्षण, दुग्ध उपोत्पाद का उपयोग एवं दुग्ध उत्पाद प्रसंस्करण और विपणन से सम्बंधित सरकार आधारित शासकीय योजनाऐं आदि विषयों पर सैद्धातिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मंचासीन डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार

शिक्षा ने उद्‌बोधन देते हुये कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्‌ द्वारा वित्त पोषित अनुसूचित जाति के हितग्राहियों हेतु पांच उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम वि.वि. में आयोजित किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति जी ने उद्‌गार व्यक्त करते हुये कहा कि कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से लाभान्वित होकर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे और वे आत्मनिर्भरता की दिशा में अपनी सामाजिक–आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकेंगे। इस अवसर पर पंजीकृत प्रशिक्षणार्थीयों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस गरिमामय कार्यक्रम में डॉ सुरभि यादव, डॉ. हरि आर, श्री देवेश उपाध्याय, श्री विजय चौकसे, श्री आशीष यादव एवं 20 अनुसूचित जाति के प्रशिक्षणार्थीयों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरभि यादव एवं आभार प्रदर्शन डॉ. वैशाली चौबे, एम.व्ही. एस.सी. छात्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर छायाचित्रकार श्री अनिल बिछैले का योगदान सराहनीय रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी,
ना.दे.प.चि.वि.वि., अधारताल,
जबलपुर (म.प्र.)